

Events

32nd Foundation Day of IIM Lucknow

The highlight of this year's Foundation Day was the first of its kind Foundation Day Lecture Series delivered by Mr. Devdutt Pattanaik, who is a renowned author, mythologist, and leadership consultant. Mr. Pattanaik's work focuses on deriving management insights from mythology to reveal a very Indian approach to modern business. He has authored over 30 books, many of them best-sellers like *Myth = Mithya*, *Business Sutra*, *The Pregnant King*, and *Jaya: An illustrated retelling of the Mahabharata*. His insightful lecture on "The Management Lessons from the Puranas" was enriching and thoroughly enjoyed by one and all.



A Cross Country run was organised on 27th July 2016. Employees and students participated with full vigour and excitement.



Events

32nd Foundation Day of IIM Lucknow

The evening started off with the recognition and appreciation of meritorious children and employees who had completed 25 years of service. Our esteemed director, Dr Ajit Prasad delivered an inspiring address on how IIM Lucknow will only grow bigger and better in the future. His support and guidance throughout the entire Foundation Day proceedings ensured that all events went on with great enthusiasm and success.

The festivities ended with a cultural nite of enthralling performances by the campus children and PGP students, which was then followed by prize distribution ceremony to award winners of all Foundation Day events.



Events

32nd Foundation Day of IIM Lucknow



Events

32nd Foundation Day of IIM Lucknow

Medal Winners

| Event | Category | Winners | | |
|--------------|----------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------------|---|
| | | 1 st | 2 nd | 3 rd |
| Table Tennis | | | | |
| | Children (Above-14 years) Male | Mr Bala S/o Mr P Rajendran | Mr Sankalp S/o Mr Ravindra Gaur | Mr. Manan S/o Prof Sanjeev Kapoor |
| | Children (Below-14 years) Male | Mr Parth Singh S/o Prof Prakash Singh | Mr Yash S/o Mr Rajesh Ramteke | Mr. Jeeva S/o Mr A. Murali |
| Swimming | Employees | Mr. Gokaran | Mr. Amitesh Kumar Singh | Mr. Atul Kumar Shukla |
| | Children (Above-14 years) Male | Mr. Soham S/o Prof O S Viadya | Mr. Abid Bax S/o Mr Shakur Bax | Mr Akash S/o Mr. Moti Lal |
| | Children (Below-14 years) Male | Mr Parth Singh S/o Prof Prakash Singh | Mr. Yash S/o Mr Rajesh Ramteke | |
| | Children (Below-14 years) female | Ms. Rupa D/o Mr Babu Lal | Ms. Liza D/o Mr Henari Das | |
| Gymnasium | Employees | Mr Amitesh Kumar Singh | Mr. Ashish Ranjan | Mr Gokaran |
| | Children (Above-14 years) | Mr Pramod S/o Mr. Phoolchand | Mr. Deepak S/o Mr. Bhola Dutt Pandey | Mr Gurmeet Singh S/o Mr. Narendra Singh |
| Badminton | Employees (Singles) | Prof Mrityunjay Tiwary | Prof. Sanjay Singh | Mr. Dhruv Kumar Srivastava |

Events

32nd Foundation Day of IIM Lucknow

Medal Winners

| | | | | |
|---------------|--|--|--|---|
| Badminton | Employees (Singles) | Prof Mrityunjay Tiwary | Prof. Sanjay Singh | Mr. Dhruv Kumar Srivastava |
| | Employees (Doubles) | Prof. Pushpendra Priyadarshi & Mr. A. Devanandan | Prof. Sushil Kumar (OM) & Mr. Dhruv Kumar Srivastava | Prof. Sanjay Singh & Mr. Amitesh Kumar Singh |
| | Children (Above-14 years) Male-Doubles | Mr. Abhishek S/o Mr. Manoj Kharwar & Mr. Praveen S/o Mr. Motilal | Mr. Bala S/o Mr. P. Rajendran & Mr. Shanu S/o Mr. Kurban Ali | Mr. Abid S/o Mr. Shakur Bax & Mr. Himanshu S/o Mr. Onkar Nath |
| | Children (Below-14 years) Male | Mr. Yash S/o Mr. Rajesh Ramteke | Mr. Jeeva S/o Mr. A. Murali | |
| | Children (Above-14 years) Female | Ms. Shruti D/o Mr. Dhruv Srivastava | Ms. Kavita D/o Mr. Bhola Pandey | Ms. Savita D/o Mr. Bhola Pandey |
| | Children (Below-14 years) Female | Ms. Bhavya Shekhar D/o Mr. M. V. Chandrashekhar | Ms. Pooja D/o Mr. Kanai Lal Das | Ms. Roopa D/o Mr. Babu Lal |
| | Squash | Children (Open Age) | Mr. Shivendra Singh S/o Prof. Sanjay Singh | Mr. Yash S/o Mr. Rajesh Ramteke |
| Billiards | Employees | Mr. Amitesh Kumar Singh | Mr. Vishal Kumar | Mr. Atul Kumar Shukla |
| | Children (Open Age) | Mr. Yash S/o Mr. Rajesh Ramteke | Mr. Soham S/o Prof. O. S. Vaidya | Mr. Manan Kapoor S/o Prof. Sanjeev Kapoor |
| Cross Country | Employees | Mr. Amitesh Kumar Singh | Mr. Gokaran | Mr. Rajiv Pandey |
| | IIML Community Children Boys | Mr. Soham S/o Mr. O. S. Vaidya | Mr. Shanu Ali S/o Mr. Kurban Ali | Mr. Abid Ahmed S/o Mr. Shakur Bax |

Events

Foundation Day at Noida Campus

32nd Foundation Day of IIM Lucknow was celebrated with fervour in both of its campuses (Lucknow and Noida) on 27th July 2016. Lucknow takes pride for being the 1st Institute in IIM family to have started two campuses.

Dean of Noida Campus, Dr. Amit Mookerjee addressed the ceremony by remembering the spirit envisaged by Professor Ishwar Dayal, the founding Director of IIM Lucknow. He recollected that Prof. Dayal had left most of his fortune to set up a chair for Research in Behavioural Sciences, for the betterment of Management, and this spirit today is being upheld across 2 campuses.



This was followed by the Tree Plantation drive which has been a tradition on Noida campus, since its inception in 2005, with a wider objective to contribute to the Greener Environment. The festivities ended with a cultural event by students, residents, faculty and staff.



Events

LakshmiPat Singhanian - IIM Lucknow National Leadership Awards



From the Press

Name of the Publication: Rashtriya Sahara
Edition: Lucknow
Date: 11/7/16

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम **राष्ट्रीय सहारा लखनऊ** दिनांक **11 JUL 2016**

उद्योग स्थापना के लिए सिंगल विण्डो सिस्टम को करें क्रियाशील

■ सहारा न्यूज ब्यूरो। लखनऊ।

मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अशोक रंजन ने कहा है कि प्रदेश में नए उद्योग स्थापित करने के लिए लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन (एलएमए) ने सिंगल विण्डो सिस्टम की कठोरता को है। श्री रंजन ने कहा कि एलएमए ने प्रदेश सरकार को दो गयी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि नये उद्योगों के लिए सिंगल विण्डो को क्रियाशील किया जाए। राज्य एवं जिला स्तर पर उद्योग बन्यु तथा निवेश मित्र व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए। एक छत के नीचे सभी संबंधित विभागों के अधिकृत प्रतिनिधि सम्मिलित हों जिससे उद्योगों को अपनी समस्या के निराकरण के लिये विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े और वे सभी प्रकार की संधीकृतियां सिंगल विण्डो से प्राप्त की जा सकें।

उन्होंने बताया कि रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली उद्योग बन्यु की उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति को हर माह कम से कम एक बार बैठक करके उद्योगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। श्री रंजन ने बताया कि रिपोर्ट में एलएमए ने कहा है कि नर्सियों को नई परियोजनाओं के साथ विद्यमान उद्योगों की समस्याओं के निराकरण को ज़िम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए ताकि वे अपने निर्दिष्ट क्षेत्र में व्यवस्था को प्रोत्साहित कर सकें।



एलएमए की रिपोर्ट में उद्योग उद्यु व निवेश मित्र को भी सुदृढ़ करने की सिफारिश

मुख्य सलाहकार ने बताया कि गांधी की अलखला में जिला स्तर पर उद्योग बन्यु में एक उच्च प्राधिकृत समिति को हर माह बैठक करनी चाहिए तथा इन बैठकों की कार्यवाही कार्यालय भेजी जानी चाहिए। इन बैठकों में वे सभी उद्योग व उद्योग तथा संबंधित विभाग प्रतिभाग कर। स्थानीय विभागों को भी इस प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट में कहा गया है कि निरीक्षक सर्वसिद्ध में सुधार के सम्बन्ध में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा सुप्रीम कोर्ट के

जुद्धेसुद्धे अधिकारियों की एक पट पर उच्च न्यायम दो वर्षों के लिए होनी चाहिए जिससे नती क्रियान्वयन में एकसमता तथा निरन्तरता बने रहे। फिरोजाबाद के कोच उद्योग पर ईंधन की समस्या के समाधान के लिये अनुरोध जारी करने की प्रक्रिया का सरलीकरण, करो में कमी तथा भूमि आवंटन में आसानी, भूमि के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया का सरलीकरण, राज्य सरकार द्वारा संस्थागत धित की सुविधा की पुनर्संरचना, किसानों की द्रो में कमी, शासकीय अधिकारियों से मिलने की आसानी, कामपुर में अस्थे होटल तथा हवाई अड्डे को स्थान तथा कामपुर में समझा उद्योग को पर्यावरण से संबंधित समस्या का निदान आदि कुछ अन्य संसुधियों की गयी है। रिपोर्ट में लखनऊ की निरन्तरकारी को बढ़ावा देने के लिए महानगरी में प्रदर्शनियों का आयोजन, कसौरी को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का

सुलभ लाभ, जोअई उलफदे को बँट मुक्त किया जान तथा नीति निर्धारण में उद्योगों की सहभागिता पर जोर दिया गया है। श्री रंजन ने बताया कि रिपोर्ट में सभी प्रक्रियाओं को औसतान करने की बात कही गयी है ताकि हस्तक्षेप कम से कम हो। राज्य में उद्यम व उद्योग स्थापित करने व समाधान के लिये विद्यमान माहौल के स्वतंत्र संरचनात्मक मूल्यांकन एवं निवेश प्रोत्साहन के लिये रणनीतिक विकास के उद्देश्य से राज्य सरकार ने लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन को यह कार्य सौंपा। उन्होंने बताया कि इसमें जोअईएलएम लखनऊ के प्रो. देबाशीष सेट्टी व प्रो. जविर अली, जयपुरीय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अशरफ रिजवी तथा जेअईएलएम की प्रो. कविता पाठक, डॉ. हेमन्त गुप्त व डॉ. मनीष वादव ने इस अवसर में योगदान दिया।

दौ नवभारत टाइम्स लखनऊ

एलएमए ने की सिंगल विंडो सिस्टम की मांग

■ प्रो. लखनऊ प्रदेश में उद्योग स्थापना के लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन (एलएमए) ने प्रक्रिया औसतान करने की मांग की है। इसके साथ ही राज्य और जिला स्तर पर सिंगल विंडो सिस्टम और मजबूत करने का पक्ष रखा है। एलएमए को भंग पर मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अशोक रंजन ने जगोहाँ के निदेश दिए हैं। एलएमए ने अपने रिपोर्ट में कहा कि नये उद्योगों के लिए सिंगल विण्डो को क्रियाशील किया जाए। राज्य एवं जिला स्तर पर उद्योग बन्यु तथा निवेश मित्र व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए। एक छत के नीचे सभी संबंधित विभागों के अधिकृत प्रतिनिधि सम्मिलित हों जिससे उद्योगों को अपनी समस्या के निराकरण के लिये विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े और वे सभी प्रकार की संधीकृतियां सिंगल विण्डो से प्राप्त की जा सकें।

From the Press

Name of the Publication: Indian Express
Date: 16/7/16



'ERA OF GREY EMINENCE ENDING'

Finance Minister Arun Jaitley with bureaucrat-turned-politician N K Singh at Lakshmiapati Singhania -IIM Lucknow National Leadership Awards ceremony in New Delhi on Friday. *PTI*

■ Finance minister Arun Jaitley on Friday said more and more people are achieving excellence at young age and the "era of grey eminence is gradually coming to an end".

■ "Achievers also act as a role model in aspirational society....," he said adding that such recognitions should encourage the role models to occupy the centre-stage of public discourse.

The Indian **EXPRESS** Sat, 16 July 2016
epaper editions epaper.indianexpress.com/c/12183906

Business Standard:

http://www.business-standard.com/article/current-affairs/anand-kumar-of-super-30-receives-award-from-jaitley-116071600596_1.html

India Today:

<http://indiatoday.intoday.in/story/anand-kumar-of-super-30-receives-award-from-arun-jaitley/1/716445.html>

Economic Times:

<http://economictimes.indiatimes.com/news/politics-and-nation/era-of-grey-eminence-gradually-coming-to-an-end-arun-jaitley/articleshow/53232139.cms>

The Hindu Business Line:

<http://www.thehindubusinessline.com/economy/policy/era-of-grey-eminence-coming-to-an-end-finmin/article8855959.ece>

From the Press

Name of the Publication: Hindustan Times
Edition: Lucknow
Date: 25/7/16



Nepalese student takes tough route to IIM-L

Rajeev Mullick, Hindustan Times, Lucknow | Updated: Jul 25, 2016 15:56 IST

Aakash Lohia is the lone foreign student to join IIM-Lucknow this year, but there is more to the latest academic breakthrough of the Nepali youth. (Handout image)

Aakash Lohia is the lone foreign student to join IIM-Lucknow this year, but there is more to the latest academic breakthrough of the Nepali youth. For, the 23-year-old management aspirant could have opted for the GMAT route to get into the autonomous public school here. He did write and clear, scoring high marks the Graduate Management Admission Test as an international student, yet appeared for the Common Admission Test (CAT) and interview to enroll at IIM-L.

"Writing the CAT and appearing for the interviews was a learning experience in itself," says Lohia, whose father and sister graduated from India. "It was my first chance to compete with the huge talent pool in India."

To compete with more than 2.5 lakh students and then to get selected would be "incomparable" to taking the easy way to the campus, noted the student, hailing from a middle-class family in Kathmandu, where his father Gopal Kumar Lohia is a civil engineer. "The whole experience was more rewarding than it would have been had I taken the easier route."

Lohia, who is now a class representative too, noted that the general trend in Nepal was to go to either America or India for higher studies. "India was my first choice, being culturally close to Nepal," added the youth, whose sister is married and settled in Lucknow.

Read more: IIM-L convocation: 619 students conferred diplomas

Lohia, who is fond of playing the piano, described the "diversity and the level of talent" of students on the campus of the 1984-established IIM-L as "amazing".

"It makes me feel privileged to be a part of this group," he said. "I have made very good friends. They make me feel at home and also help me learn and understand all the Indian things that they do."

Alongside management lessons, Lohia is learning from his pals about Indian festivals, holidays and local social norms. "In return, I try to teach them the Nepali way of doing things. Learning each other's culture is fun," he said.

Even the faculty has been wonderful to him. "The moment I set foot on the campus, I feel the enormity of the institute and the expectations from students," Lohia said.

The hosteller also quoted instance of an IIM-L teacher speaking Nepali. "He is so good that he invites me to his place for some Nepali food," he said.

Lohia has not felt much of a cultural difference, while interacting with fellow students. "There are some things new and unfamiliar to me, but I am picking up. Students range from 29 states; each one has a completely different set of ideologies," he said, and spelt out certain newly-learned Hindi words with an accent: khabo, dhabo, ghumabo.

For Lohia, a late riser, his days here start at 8:30 am. "The time spent eating at the mess is always the best to catch up with friends. After class, there is routine work, which I follow up with a nap of an hour or two," he added.

Around 5 or 6 in the evening, he visits the library to complete the assignments "Here, afternoons are at 7 pm, evenings at 11 pm and nightfall is at 2 am. The day ends for me after 3 or 4 in the mornings," he said.

Lohia finds the late-night culture a "very interesting" aspect of life at IIM-L. "There is energy and activity 24 hours a day."

The flip side was the extreme climate, he said. "This city does not have typical Nepali food."

From the Press

Name of the Publication: Amar Ujala

Edition: Lucknow

Date: 28/7/16

<http://epaper.amarujala.com/2016/07/28/my/lc/01/01.pdf>

मैनेजमेंट टिप्स

मशहूर लेखक डॉ. देवदत्त पटनायक ने समझाया जिंदगी का फलसफा

अमेरिकी ग्रीन कार्ड की रैट रेस छीन रही सुख-चैन

अमर उजाला व्यूरो

लखनऊ। अमेरिका का ग्रीन कार्ड हासिल करना युवा का सपना है। आईआईएम-आईआईटी से निकले युवाओं को वहां की सकारात्मक लुभाती है। यह एक रैट रेस है। इसमें फंसे तो जिंदगी का सुख-चैन गायब हो जाएगा। यह कहना है मशहूर लेखक और मध्यमोर्लीविस्ट डॉ. देवदत्त पटनायक का।

आईआईएम के 32वें स्थापना दिवस पर अपने लेखक में वेद, पुराण, महाभारत, गीता और रामायण के जरिए पटनायक ने कॉर्पोरेट मैनेजमेंट का मर्म समझाया। पटनायक ने कहा कि हमारे श्रंखों में ज्ञान और विचारों का संकलन है। ऋषि-मुनियों ने इन विचारों को व्यवस्थित किया। विचार सनातन हैं, हमेशा जिंदा रहते हैं। ज्ञान और विचारों को आगे बढ़ाना चाहिए। यह काम ही वेद, पुराण और शास्त्र करते हैं। मैनेजमेंट में भी वेद-पुराण को तरह ही लोगों को अरेज कर उनसे उद्देश्य पूरा कराया जाता है। ऐसे में अगर वेद-पुराण के महत्व को समझ जाए, तो यह प्रबंधन और कॉर्पोरेट जगत के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। डॉ. पटनायक ने कहा कि हर कोई नेहरू और बिल गेट्स जैसा नहीं बन सकता। उनकी जिंदगी का उद्देश्य अलग था।



वेद, पुराण की कहानियों के जरिए दिए कॉर्पोरेट मैनेजमेंट के टिप्स

आईआईएम के स्थापना दिवस समारोह में सर्टिफिकेट को संबोधित करते मशहूर लेखक व मॉडिफेशनल स्पिकर डॉ. देवदत्त पटनायक।

मन भटकने से बढ़ता है तनाव

मन का भटकना आम प्रकृति है। इससे तनाव पैदा होता है। इसका प्रबंधन जरूरी है। इससे तनाव खुद से दूर हो जाएगा। अगर यह बदलाव नहीं किया जा सकता तो अपने जीवन के अर्थ को तलाश नहीं हो सकती। यह प्रबंधन का फैसला ही बन जाता है।

धर्म अब लेन-देन का मामला

डॉ. पटनायक का कहना है कि धर्म अब कॉर्पोरेट सिस्टम की तरह चल रहा है। यहाँ का यजमान निवेशक की भूमिका में है। वह निवेश की अहमियत देता है। इसके बाद निवेश एजेंसी के रूप में देवदत्त की तरफ से रिटर्न मिलता है। यहाँ देवदत्त आज के समय में रिटर्न है जो कि निवेश के बाद रिटर्न दे। कम निवेश में रिटर्न अच्छा आए तो यह देवदत्त और बंधनर माने जाते हैं। पूर्व में बनने वाले धार्मिक स्वतंत्र असाधारण के लोगों को देवदत्त भी देते थे। ऐसे में धर्म लोगों को परसंद आता था।

हालात पर राम, कृष्ण किए जाते परसंद

डॉ. पटनायक का कहना था कि जब कॉर्पोरेट में आने वाले प्रबंधक खुद को सहित करने की लड़ाई लड़ रहा होता है। ऐसे में बने बने निधम-कानून भी लड़ने में नहीं हिचकिचाता। यहाँ कृष्ण उससे परसंद होते हैं। सफलता मिलते ही यही निधम कानून का प्रबंधन उसे जरूरी स्थाने लगाते हैं। यहाँ मर्यादा पुरुषोत्तम कम उसकी परसंद बन जाते हैं।

अब आम के पैड़ से सेब तो पैदा नहीं होगा

7

From the Press

Name of the Publication: Times of India
 Edition: Lucknow
 Date: 28/7/16
http://epaperbeta.timesofindia.com/NasData//PUBLICATIONS/THETIMESOFINDIA/LUCKNOW/2016/07/28/PagePrint/28_07_2016_103_6b124cb8846cd9f38b84ce83e1cd8bfbf.pdf

LUCKNOW IS TALKING ABOUT

TAKING THE SPIRITUAL ROUTE TO LEARNING MANAGEMENT



Dr. Ajit Prasad

The first President of the Indian Institute of Management Lucknow was introduced on Wednesday with a talk by spiritual leader Dr. Dhirendra Prasad Mishra. Mishra, who is a spiritual leader, said that the spiritual approach to management is the only way to achieve the goal of the organization. He said that the spiritual approach to management is the only way to achieve the goal of the organization. He said that the spiritual approach to management is the only way to achieve the goal of the organization.



Dr. Ajit Prasad

“If there is an Indian approach to management, it will be Aj apne jeevan ko arth karte hain... not just to achieve your goal but to realize your potential”

very important place because that's where discipline was first introduced in the region by Lord Rama. It is the place where the Mahabharata was first narrated and the place where the Puranas were written.

Dr. Ajit Prasad, who is a spiritual leader, said that the spiritual approach to management is the only way to achieve the goal of the organization. He said that the spiritual approach to management is the only way to achieve the goal of the organization.

“If there is an Indian approach to management, it will be Aj apne jeevan ko arth karte hain... not just to achieve your goal but to realize your potential”

Dr. Ajit Prasad, who is a spiritual leader, said that the spiritual approach to management is the only way to achieve the goal of the organization. He said that the spiritual approach to management is the only way to achieve the goal of the organization.

Team Samavaya

Corporate Communication & Media Relations
 Indian Institute of Management, Lucknow.
 Prabandh Nagar, IIM Road Lucknow - 226013
 Email: ccmr@iiml.ac.in